संकल्पना नोट

ग्रामीण नवप्रवर्तक स्टार्टअप संगोष्ठी

आवश्यकता

देश में नवोन्मेषण और बदलते स्वरूप को बढ़ावा देने के लिए "मेक इन इंडिया", और "स्कीलिंग इंडिया" आदि भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्य है । देश में स्टार्टअप संस्कृति में तेजी लाने के लिए किए गये कार्यों ने नवोन्मेषण कार्यों को लाने में विशेषकर देश में युवा शक्ति को आगे लाने में गति प्रदान की है । यहाँ पर पर्यावरण का उपयोग करने में नवोन्मेषण इन्क्यूबेशन कार्य / पब्लिक और प्राइवेट दोनों इंक्यूबेटर्स उपलब्ध है जिसे उपरोक्त गति द्वारा सृजित किया गया है । यद्यपि, स्टार्टअप कार्यक्रम बड़े पैमाने पर आई टी आधारित है या शहरी सेवा पर निर्भर है और इसके लाभ देश के उच्चतर, मध्य आय समूहों तक ही सीमित है । चूँकि 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय आबादी गाँवों में वास करती है उनकी जीवन शैली में सुधार को उजागर किया जाए एवं नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी विकास द्वारा बढ़ावा दिया जाए तथा उत्पादकता एवं संपत्ति सृजन में सुधार का प्रचार-प्रसार किया जाए । राष्ट्रीय नवोन्मेषण फाऊण्डेशन (आई एन एफ) नवोन्मेषण को प्रलेखित करने और उन्हें आगे लाने में अच्छी प्रगति हासिल की है । विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी इत्यादि द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में नवोन्मेषण एवं इंक्यूबेशन क्षमता सृजन हेतु प्रयास किए जा रहे है । यद्यपि ऐसे विचारों / प्रारंभिक नवोन्मेषणों की तकनीकी व्यवहार्यगत, व्यावहारिक तौर पर कार्यान्वयन योग्य और वित्तीय क्षम्य बिजनेस मॉडल में रूपांतरित करने हेतु काफी कुछ किया जाना है । वास्तव में अपार क्षमता और कई संस्थाओं द्वारा प्रयास प्रचलन में है परन्तु ग्रामीण बदलते स्वरूप में खास प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा है इसका कारण नवोन्मेषण एवं प्रौद्योगिकीयों का सम्मिश्रण है । इस असंतुष्टि के लिए कई कारक जिम्मेदार है विशेषकर ऐसी तकनोलॉजी जो क्षम्य अवस्था स्तरों तक दीर्घ प्रक्रिया विकास अवधि एवं उच्च जोखिम तत्वों के चलते वित्तीय समर्थन की अपर्याप्तता इत्यादि से संबंधित है जो अधिकांश ग्रामीण नवप्रवर्तकों को उन्नयन के नेटवर्क में प्रविष्ट करने में अवरोध उत्पन्न कर रही है क्योंकि कई समयों में सामान्य व्यक्ति ही रहे है । कई बार इन्क्यूबेटर प्रयास आई टी से संबंधित विचारों पर प्रकाश डालते है जो शहरी इलाके के लिए सीमित मात्र ही है ।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एन आई आर डी पी आर) ने ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क नामक नवोन्मेषी संकल्पना प्रारंभ की है जिसमें ग्रामीण विकास से संबंधित शिनाख्त किए गए नवोन्मेषी / प्रौद्योकियों को उद्यमीकर्ताओं की मदद से प्रदर्शित किया जाता है तथा संबंधित प्रौद्योगिकी के लिए उन्हें प्रशिक्षण-सह-उत्पादन सुविधाओं के लिए उपयोग में लाया जा रहा है । तथा सफल निष्कर्षों के साथ ग्रामीण लागों को प्रशिक्षित किया जाता है । कृषि, गैर-कृषि, सोलार एवं अन्य प्रौद्योगिकियों को परिशिष्ट-1 में दर्शाया गया है ।

इस दिशा में एन आई आर डी एवं पी आर में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की पहल एक छोटा कदम है जिसके द्वारा कुछ उपयुक्त एवं सततयोग्य ग्रामीण प्रौद्योगिकी की शिनाख्त की गई है जिसे प्रौद्योगिकी साझेदारों के स्वयं के द्वारा प्रशिक्षण-सह-उत्पादन को एक ही स्थान पर प्रदर्शित किया गया है जिससे वे इच्छुक कर्ता लोग जो इन किफायती प्रौद्योगिकी को अपनी आजीविका के भाग के रूप में इन प्रौद्योगिकियों को अपनाना चाहते है । धुतगामी की भूमिका का निर्वाह करते हुए एन आई आर डी एवं पी आर इस परिचर्चा को निश्चित रूप से आगे बढ़ा सकता है और उन युवाओं को जो नवोन्मेषी विचारों एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की आशाओं को आकार देना चाहते है उन युवाओं को जो नवोन्मेषी विचारों एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की आशाओं को आकार देना चाहते है उन युवाओं की उद्यमशीलता अभिलाषाओं की पूर्ति करने वाली उपयुक्त संस्थाओं के साथ गठबंधन करता है ।

इस समर्थन को विस्तृत करने की नितांत आवश्यकता है तथा सरकारी और प्राईवेट दोनों क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न एजेंसियों / संगठनों को भी जोड़ता है ताकि इसे दोहराने में हमारे प्रयास व्यर्थ नहीं जाते तथा ऐसे प्रौद्योगिकियों जिनमें व्यापारिक उपयोग की क्षमता है उन्हें उद्यमीकर्ताओं के पास ले जा सके । अत: इस क्षेत्र में कार्यरत सभी भूमिका अदाकर्ताओं जो अंतराल को पाट सकते है को जोड़ने हेतु संस्थागत प्लेटफार्म के निर्माण की आवश्यकता है जिससे युवा मस्तिष्क अपनी संकल्पनाओं से ये प्रयास कर सकते है । इस क्षेत्र में एन आई आर डी एवं पी आर ग्रामीण जीवन के बदलते स्वरूप को सक्षम अवसर प्रदान कर सकते है । इस क्षेत्र में एन आई आर डी एवं पी आर के दो दशकों से अधिक अनुभव के कारण इन बिन्दुओं को जोड़ने का सही मंच है । इस पृष्ठभूमि में एन आई आर डी एवं पी आर द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम को प्रस्ताव करने का है जिसका विषय "ग्रामीण नवप्रवर्तक स्टार्टअप संगोष्ठी 2017" है जिसका उद्देश्य प्रतिभा की पहचान करना है और बेहत्तर बड़े पैमाने पर शिक्षण हेतु प्लेटफार्म का सृजन करते हुए क्षमता विकास की सुविधा प्रदान करना है ताकि युवा ग्रामीण नवप्रवर्तकों के कैडर को तथा स्टार्टअप को सुदृढ़ किया जा सके ।

उद्देश्य :

(i) संस्थागत समर्थन, प्रोत्साहन एवं उन्नयन करते हुए ग्रामीण रूपांतरण के लिए उन्नत तकनोलॉजी एवं उत्पाद को नवोन्मेषी सोंच में बदलने हेतु नवप्रवर्तकों/ युवाओं को प्रोत्साहित करना ;

(ii) ग्रामीण नवोन्मेषणों के लिए नवप्रवर्तकों को मंच प्रदान करना ताकि वे प्रदर्शित कर सके तथा आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के ग्रामीण विकास के लिए उभरते क्षेत्रों में उनके नवोन्मेषी / उन्नत प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन कर सके तथा साझेदारी सृजन की सुविधा दे सके ताकि वे क्षेत्र स्तर पर विचार से प्रयोग तक तथा प्रयोग से छोटे मान तक तथा बिजनेस मॉडल में बदल सके तथा अतत: ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लाभ हेतु बड़े पैमाने तक इसे पहुँचा सके ।

(iii) चयनित क्षेत्रों में ग्रामीण नवोन्मेषण पर कार्य करने हेतु सहयोगी और संगठित साझेदारी का सृजन करना ।

(iv) ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार मानचित्रित करना एवं संस्थाओं या एक व्यक्ति को नवोन्मेषी मानसिकता से जोड़ना ताकि वे एक क्षम्य मॉडल के साथ समस्या को हल करने में अगुवाई कर सके । सफल अदाकर्ताओं के लिए प्रोत्साहन देते हुए शिनाख्त किए गए क्षेत्रों में ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु युवा मनों में चुनौतियों को जगाना ।

(v) नवप्रवर्तकों के नवोन्मेषण को आगे बढ़ाने हेतु प्रारंभिक समर्थन या गठबंधन समर्थन प्रदान किया जाए ।

(vi) विभिन्न निधिपोषण संस्थाओं के समर्थन से विभिन्न संस्थाओं में भावी भारत के लिए डिजाईन" नाम से भारत के लिए नवोन्मेषी प्रयोगशालाओं / डिजाईन प्रयोगशालाओं का निर्माण करें ।

(vii) एन आई आर डी एवं पी आर के मंच पर ग्रामीण नवप्रवर्तकों के लिए सिस्टम का निर्माण करना ।

क्षेत्र :

संगोष्ठी के व्यापक विषय इस प्रकार हैं :- (क) कृषि एवं विविध क्षेत्र (ख) ग्रीन ऊर्जा तकनॉलॉजी (सोलार, विंड, बॉयोगैस, हाइब्रीड् इत्यादि) (ग) पेयजल, स्वास्थ्य, एवं स्वास्थ्य (घ) रद्दी से संपत्ति तक (तरल, ठोस एवं पुन: चक्रावर्तन) (ड.) सतत योग्य आवास (च) आजीविका अवसर आदि । इन क्षेत्रों से नवप्रवर्तक स्टार्टअप्स की शिनाख्त की जाएगी एवं

सामाजिक मीडिया, एन आई आर डी एवं पी आर का वेबसाईट विभिन्न संस्थाओं को लेखन के द्वारा शिनाख्त और आमंत्रित किया जाएगा ।

यह संगोष्ठी नवप्रवर्तकों / प्रौद्योंगिकियों / उद्यमीकर्ताओं ; उपयुक्त मंत्रालयों, सरकारी विभागों, प्राइवेट संस्थाओं एवं सी एस आर कार्यों जो कई दिशाओं से नवोन्मेषी प्रौद्योगिकीयों को समर्थन करता हो, वित्तीय समर्थन प्रदान करने वाले बैंकर्स ; छोटे उद्योगों को व्यापारिक एवं उत्थान करने वाली कंपनियाँ तथा ग्राहकों तक पहुँचने वाले विपणनकर्ताओं के साथ परस्पर चर्चा हेतु सुविधा प्रदान करता हैं ।

घटक / क्रियाकलाप

प्रस्तावित सभा के लिए घटक इस प्रकार हैं :

1. उत्पाद प्रदर्शन
2. सरकारी / कौशल मिशन / एन एस डी सी, बैंको इत्यादि विभिन्न विभागों के कार्यक्रम जो अलग-अलग ढंग से उद्यमशील संयुक्त उद्यम को समर्थन प्रदान करते है;
3. विभिन्न इन्कुबेटर्स, वी सी, सामाजिक उद्यम समर्थन नेटवर्क द्वारा प्रस्तुतीकरण
4. ग्रामीण उद्यमों / उद्यमीकर्ताओं द्वारा प्रस्तुतीकरण उनकी सफल कहानियों की व्याख्या करना
5. प्रोटोटाईप / स्टार्टअप के साथ चुने गए नवोन्मेषी विचारों द्वारा प्रस्तुतीकरण
6. सफल उद्यमीकर्ताओं के साथ परिचर्चा / गोष्ठी करना
7. ग्रामीण भारत के लिए उपयुक्त नवोन्मेषण का चयन एवं अवार्ड करना

प्रतिभागीगण

इस संगोष्ठी में प्रतिभागियों के दो सेट होंगे जैसे : - ग्रामीण नवप्रवर्तक, स्टार्टअप प्रौद्योगिकीविद् , समर्थकर्ता, एस आर एल एम, एस एवं टी संस्थाओं राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगइन इत्यादि । जी ई , डी यु पोन्ट , ऑटो डेस्क जैसे सामाजिक उद्यमियों को समर्थन करने वाले कार्पोरेट संगठनों के सहभाग को भी आप देख सकेंगे । इस संगोष्ठी ने राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय उद्यमीकर्ता समर्थक नेटवर्क , सहायता अनुदान प्राप्त संगठनों, इन्कुबेटरों एवं ध्रुतगामियों को भी सादर आमंत्रित किया गया है । इसके अलावा संगोष्ठी में बैंकर्स, सी एस आर समर्थन संगठन एवं प्राईवेट संस्थाओं एवं उद्योग होंगे जो प्रायोजक ही नहीं बल्कि कुछ नवोन्मेषकों की सहायता करेंगे और संगोष्ठी में योगदान भी देंगे । एन आई आर डी एवं पी आर में छोटे समूह द्वारा नवप्रवर्तक स्टार्टअप सहभागियों एवं समर्थ व्यक्तियों की सूची

तैयार की जा रही है तथा उन्हें आमंत्रित करने से पूर्व प्रत्येक क्षेत्र में जाँच की जाएगी तथा महानिदेशक एन आई आर डी एवं पी आर के द्वारा गठित की गई सलाहकार समिति में चर्चा भी की जाएगी ।

प्रतिभागियों के लिए सुविधाएं

अधिकांश नवप्रवर्तक स्टार्टअपस है और उन्हें स्थिर होना है और उनकी नई, चीजे / तकनोलॉजी को बेची जानी है इस संगोष्ठी में उनकी सहभागिता निशुल्क होगी । आगे, उनकी तार्किकता पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है अर्थात् उनकी नयी चीजों को ले जाने हेतु परिवहन के साथ-साथ प्रत्येक क्षेत्र में दो व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान करना और सभी अन्य को प्रशंसा प्रमाण-पत्र दिया जाएगा आदि पर ध्यान देना होगा । यद्यपि समर्थ व्यक्तियों को अपने बलबुते पर सहभाग करना होगा । इस कार्यक्रम में कई संस्थाओं जैसे- बैंक या कार्पोरेट के विभिन्न श्रेणियों के प्रायोजकों (प्लेटिनम, गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रांज) को भी आमंत्रित किया जाएगा ।

पंजीकरण प्रक्रिया :

1. ऑनलाईन पंजीकरण www.nird.org.in / www.risc2017.com
2. ऑनलाईन पंजीकरण की अंतिम तारीख 10 मार्च, 2017

पुरस्कार :

प्रत्येक क्षेत्र में दो नवोन्मेषणों की प्रशंसा की गई तथा न्याय समिति द्वारा उचित माने गए नवोन्मेषण को नकद राशि पुरस्कार दिया जाएगा और अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा ।

प्रत्याशित निष्कर्ष

इस सभा के प्रत्याशित निष्कर्ष निम्नलिखित रूप में इस प्रकार है :

1. इस सभा के द्वारा एन आई आर डी एवं पी आर का सी आई ए टी संयोजन की भूमिका का निर्वाह करता है तथा सोसाईटी एवं अर्थव्यवस्था के मूल्य को सृजित करने के उद्देश्य से तथा उनके भावी कार्य का पता लगाने में नवप्रवर्तक स्टार्टअप के लिए बाधाओं को दूर करना है ।
2. व्यक्ति दुरूहता को दूर करने के लिए नये उत्पाद / नई तकनोलॉजी को बढ़ावा देना या उत्पादकता में सुधार करना ; या संस्थाओं और संगठनों के सहयोग से नेटवर्किंग

या सहयोजित करते हुए पर्यावरणात्मक मैत्री सुधार , लागत प्रभावी, ऊर्जा बचत, समय बचत में सुधार करना ;

3. इन्क्यूबेटर के भाग के रूप में चयनित ग्रामीण नवोन्मेषण की शिनाख्त करना एवं अधिकतम समर्थन प्रदान करना ;
4. चयनित नवोन्मेषण को आगे बढाने हेतु विभिन्न समर्थ संस्थाओं के साथ एन आई आर डी एवं पी आर जानकारी हासिल करेगा ।

अवधि एवं स्थान

एन आई आर डी एवं पी आर में 23-24 मार्च, 2017 को दो दिनों के लिए आयोजित होगा ।

साझेदार

इस संगोष्ठी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), माइक्रो युनिट्स डेवलपमेंट एवं रिफायंस एजेन्सी लिमिटेड (मुद्रा) हाऊजिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन (हूडको), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस बी आई), इंटरनेशनल क्रॉप्स रीसर्च इंस्टिट्यूट फॉर दी सेमि-ऐरिड ट्रॉपिक्स (ईक्रिसेट) ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह (रूटैग), इन्नोवेशन फाऊण्डेशन ऑफ इंडिया, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्कनोलॉजी (आई आई टी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान लैब परिषद (सी एस आई आर), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ), इंडियन स्पेस रीसर्च आर्गेनाईजेशन (इसरो), भरतीय विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (नार्म), ऑटोडेस्क टाई हैदराबाद, इंफ्रास्ट्रक्चर लीजींग एंड फाइनैन्शियल सर्विसेस (आई एल एवं एफ एस), अशोका इन्नोवेशन फाऊण्डेशन, एडपेन नेटवर्क एंड डेवलपमेंट इंटरप्यूनर्स, नैसकॉम, संगम, वी सी, क्रक्स मैनेजमेंट सर्विसेस, (पी) लिमिटेड (क्रक्स), सिन्जेंटा फाऊण्डेशन फॉर ससटेनेबल एग्रीकल्चर (एस एफ एस ए), टी हब, युअर स्टोरी एंड एग्रोबुक साझेदारों को आमंत्रित किया है ।

परिशिष्ट - I

1. ग्रामीण आजीविकाओं के सृजन/बढ़ावा देने हेतु ग्रामीण प्रौद्योगिकी

1. हस्तनिर्मित पेपर उत्पादन एवं मूल्य आधारित उत्पाद
2. पत्ता प्लेट बनाना
3. सोयाबीन आधारित मूल्य आधारित उत्पाद
4. मधुमक्खी पालन
5. नीम बीज प्रक्रमण एवं तेल निष्कर्षण
6. कृमि खाद
7. गृह आधारित उत्पाद
8. कुकुरमुत्ता कृषि एवं कुकुरमुत्ता उत्पाद
9. कृत्रिम आभूषण
10. वनस्पति देखभाल उत्पाद
11. हस्तनिर्मित साबुन (अलूविरा साबुन)
12. प्राकृतिक रंगाई
13. जूट उत्पाद
14. बाजरा उत्पाद
15. बंबू तकनोलॉजी
16. कंम्प्रेसड् स्थिरीकृत (सी एस ई) ब्लॉक निर्माण यूनिट

2. ऊर्जा सक्षमता / बॉयोगॉस / नवीनिकरण ऊर्जा तकनोलॉजी

1. बॉयोमास रद्दी ऊर्जा प्रभावी कूकवेयर तकनोलॉजी
2. बॉयोगॉस / गोबर आधारित ऊर्जा प्रभावी तकनोलॉजी
3. सौलार होम लाईटिंग एवं स्ट्रीट लाईटिंग उत्पाद निर्माण एवं एसेम्बलिंग युनिट
4. सोलार आधार खाद्य प्रक्रमण डीहाईड्रेशन तकनोलॉजी
5. वेस्ट हीट / किरोसीन लैम्प से थर्मो इलेक्ट्रीक सेल्फ पॉवर जनरेशन ग्रीन तकनोलॉजी
6. इलेक्ट्रो स्पार्क कोटिंग (ई एस सी) तकनोलॉजी
7. टीयूब लाईट री-ग्लोयिंग उपकरण/तकनोलॉजी

3. लागत प्रभावी सततयोग्य ग्रामीण आवास

1. ब्रिक पैनेल हाऊज
2. बंबू हाऊज
3. स्टोन पट्टी हाऊज
4. मड ब्लॉक स्ट्रक्चर
5. लैटराईट स्टोन कन्स्ट्रक्शन

6. वैटल एंड डौब हाऊज
7. जैक आर्क युनिट
8. फिल्लर स्लैब डवेलिंग युनिट
9. पारंपरिक मड हाऊज
10. ब्रिक डोम स्ट्रक्चर
11. स्थिरीकृत मड ब्लॉक हाऊज
12. रैट ट्रैप बॉन्ड हाऊज
13. स्टोन मेनेजरी हाऊज
14. फेर्रो सीमेंट चैनेल कन्स्ट्रक्शन
15. एम जी नरेगा कल्वजेन्स हाऊज

4. स्वच्छता पार्क - लागत प्रभावी स्वच्छता मॉडल

1. पारंपरिक मॉडल आधारित सेप्टिक टैंक
2. टू पिट लैटरीन विथ फलैप सील पैन एंड ब्रिक वर्क
3. ट्वीन पिट लैटरीन विथ ब्रिक पैनेज
4. ट्वीन पिट लैटरीन विथ प्रि-कास्ट कंक्रीट ब्लॉक
5. सर्कुलर ट्वीन पिट टॉयलेट विथ ब्रिक
6. सर्कुलर ट्वीन पिट टॉयलेट विथ प्रि कास्ट आर सी सी विग्ज
7. बंबू मैट प्लै सुपर स्ट्रक्चर
8. बंबू रि-इनफोर्सड लीच पिट
9. सिंगल लीच पिट टॉयलेट विथ पी टैप पैन
10. बर्न्ट क्ले सेग्मेंट लीच पिट
11. मोडिफाइड मिदनापुर टॉयलेट
12. एको सैनिटेशन टॉयलेट
13. आंगनवाड़ी टॉयलेट ब्लॉक
14. स्कूल सैनिटेशन टॉयलेट एंड युरिनल ब्लॉक
15. कम्युनिटी टॉयलेट एंड युरिनल ब्लॉक
16. सोक पिट फॉर बाथरूम प्लेटफार्म
17. स्पील वाटर रीसाइकलिंग मॉडल
18. हाऊजहोल्ड वर्मिन कम्पोस्ट युनिट
19. नेडेप कम्पोस्ट युनिट
20. दीनबंधु बॉयोगैस प्लान्ट विथ टॉयलेट
21. गप्पी फिश टैंक
22. फेर्रो सीमेंट टैंक
23. बॉयो - टॉयलेट
24. वाटरलेस यूरिनल्स